# सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

**नाम कृषक– राजकुमार**
**पिता का नाम– श्री बैजनाथ (बैजनाथ)**
**गॉव–बनकटिया (खटीमा),**
**जनपद उधमसिंहनगर।**

मैं एक छोटे कृषि परिवार का व्यक्ति हूॅ एक वर्ष तक मैं अपनी 4 एकड जमीन में धान एवं गेहूॅ की खेती करके एवं आम उद्यान की आमदनी लगाकर मुश्किल से वर्ष में कुल 80 हजार से एक लाख ही आय हो पाती थी, जिससे परिवार का गुजारा बड़ी ही कठिनाई से हो पाता था।

वर्ष 2010 में मैने उद्यान विभाग की चलाई जा रही HMNEH योजना का पता उद्यान विभाग के कर्मचारियों से पता चला और उन्होंने मुझे मार्गदर्शन किया, जिससे मैनें वर्ष 2010–11 में एक वर्मी कम्पोस्ट पिट का निर्माण उद्यान विभाग द्वारा रू0 30,000/ अनुदान पर कराया। इसके बाद मैनें वर्ष 2011–12 में उद्यान विभाग से 1 है0 मटर एवं अदरक की खेती की, जिससे वर्ष 2011–12 में मेरी आय निम्न प्रकार रहीः–

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | वर्मी कम्पोस्ट खाद से आय | – | रू0 1,50,000/ |
| 2. | वर्मी कीट बिक्री से आय | – | रू0 15,000/ |
| 3. | मटर फसल से आय | – | रू0 50,000/ |
| 4. | अदरक उत्पादन से आय | – | रू0 10,000/ |
| 5. | आम फसल एवं अन्य फसल से आय | – | रू0 35,000/ |
| | **कुल आय** | – | **रू0 2,60,000/** |

इस तरह मुझे उद्यान विभाग की HMNEH योजना के सहयोग से औद्यानिक फसले करके पिछले वर्षों की तुलना में रू0 1.60 लाख की अधिक आय प्राप्त हुई।

मैं HMNEH योजना से हुए इस लाभ के लिये उद्यान विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों का बहुत ही धन्यवाद देता हूॅ तथा भविष्य में इसी तरह सब्जी, मसाला की खेती कर अपनी आय और बढ़ाने का प्रयास करूॅगा। मेरी परिवार की स्थिति भी काफी सुधर गयी है और आर्थिक रूप से आगे बढ़ रही है।

**राजकुमार**
**पुत्र श्री बैजनाथ**
**ग्राम बनकटिया,**
**उधमसिंहनगर**